बिहार स्पेशल

बिहार का पहला वन्यजीव इको-पार्क

चर्चा में क्यों?

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने **कैमूर में राज्य के पहले वन्यजीव इको पार्क** का उद्घाटन किया, साथ ही राज्य के सबसे ऊंचे जलप्रपात तेलहर कुंड में मानक इको-पर्यटन सुविधाओं का भी उद्घाटन किया।

- माँ मुंडेश्वरी वन्यजीव इको पार्क 10.4 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया गया है और यह मुंडेश्वरी भवानी मंदिर के तल पर 13.6 एकड़ में फैला हुआ है।
  - इसमें जंगली जानवरों की जीवंत मूर्तियाँ, सुंदर फूलों की संरचनाएँ, पुनर्निर्मित बुद्ध सरोवर, एक ओपन एयर थिएटर, फव्वारे और झरने हैं।
- प्राचीन मुंडेश्वरी मंदिर 600 फीट ऊँची प्रवर पहाड़ी पर स्थित है और अपने रंग बदलने वाले शिवलिंगम और प्राकृतिक सुंदरता के लिए प्रसिद्ध है।
- **तेलहर कुंड जलप्रपात** को 2.25 करोड़ रुपये की लागत से नया रूप दिया गया है।
  - बिहार का सबसे ऊँचा 600 फीट ऊँचा मनोरम जलप्रपात कैमूर वन्यजीव अभयारण्य में स्थित है।

कैमूर खबरों में:

- **कैमूर वन्यजीव अभ्यारण्य** को टाइगर रिजर्व घोषित करने के लिए राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण(NTCA) को सैद्धांतिक मंजूरी मिल गई है। यह बिहार का दूसरा टाइगर रिजर्व होगा।
- **भारतीय वन स्थिति रिपोर्ट, 2021** के अनुसार, यह सबसे बड़ा वन क्षेत्र होने के साथ-साथ खुले जंगल के मामले में भी सबसे ऊपर है।

राजव्यवस्था एवं शासन

एक राष्ट्र एक चुनाव

चर्चा में क्यों?

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने **'एक राष्ट्र, एक चुनाव'** पर एक उच्च स्तरीय समिति की सिफारिशों को स्वीकार कर लिया है।

- पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली समिति की सिफारिशों को आगे बढ़ाने के लिए एक कार्यान्वयन समूह का गठन किया जाएगा और अगले कुछ महीनों में देश भर के विभिन्न मंचों पर विस्तृत चर्चा की जाएगी।

'एक राष्ट्र, एक चुनाव' क्या है?

- इस अवधारणा का उद्देश्य पूरे देश में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव कराना है।
- **एक साथ चुनाव का इतिहास::**
  - भारत में 1951 से 1967 के बीच एक साथ चुनाव हुए थे।
  - इसका चरम 1967 में हुआ था, जब संसद के निचले सदन के लिए राष्ट्रीय चुनावों के साथ ही 20 राज्यों में चुनाव हुए थे।
  - 1977 में यह संख्या 17 थी, जबकि 1980 और 1985 में 14 राज्यों में एक साथ चुनाव हुए थे।
- **मुद्दे:** सभी चुनाव एक साथ कराने के लिए बहुत सारे पैंतरेबाज़ी की आवश्यकता होगी, जिसमें कुछ चुनावों को पहले कराना और कुछ को विलंबित करना शामिल है।
- **महत्व:** संयुक्त चुनाव कराने से महत्वपूर्ण व्यय बच सकते हैं, प्रशासनिक दक्षता बढ़ सकती है और संभावित रूप से मतदाताओं की संख्या में वृद्धि हो सकती है।

रामनाथ कोविंद समिति की रिपोर्ट:

- एक साथ चुनाव कराने संबंधी उच्च स्तरीय समिति का गठन 2 सितंबर 2023 को श्री राम नाथ कोविंद की अध्यक्षता में किया गया और इसने 14 मार्च, 2024 को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की।
- इसमें 18,626 पृष्ठ हैं और यह हितधारकों, विशेषज्ञों के साथ व्यापक परामर्श और 191 दिनों के शोध कार्य का परिणाम है।
- इसने पहले चरण के रूप में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने तथा अगले चरण में आम चुनाव के 100 दिनों के भीतर नगरपालिका और पंचायत चुनाव कराने की सिफारिश की।
  - इसने 18 संवैधानिक संशोधनों की सिफारिश की है, जिनमें से अधिकांश को राज्य विधानसभाओं द्वारा अनुसमर्थन की आवश्यकता नहीं होगी। हालाँकि, इसके लिए कुछ संविधान संशोधन विधेयकों की आवश्यकता होगी जिन्हें संसद द्वारा पारित किया जाना होगा।
- एकल मतदाता सूची और एकल मतदाता पहचान पत्र के संबंध में कुछ प्रस्तावित परिवर्तनों को कम से कम आधे राज्यों द्वारा अनुसमर्थन की आवश्यकता होगी।

अर्थव्यवस्था

एमएससीआई(MSCI) इक्विटीज इंडेक्स

चर्चा में क्यों?

भारत **एमएससीआई(मॉर्गन स्टेनली कैपिटल इंटरनेशनल)** ऑल कंट्री वर्ल्ड इंवेस्टेबल मार्केट इंडेक्स (एसीडब्ल्यूआई आईएमआई) में छठा सबसे बड़ा बाजार बन गया है, जो चीन से आगे निकल गया है और फ्रांस से थोड़ा पीछे है।

- **पहली बार, भारत वैश्विक पूंजी बाजारों के प्रदर्शन को ट्रैक करने वाले गेज में सबसे बड़ा उभरता हुआ बाजार (ईएम) है।**
- अगस्त के अंत में, एमएससीआई एसीडब्ल्यूआई आईएमआई में भारत का भार 2.35 प्रतिशत था, जो चीन से 11 आधार अंक (बीपीएस) अधिक है जो 2.24 प्रतिशत है। फ्रांस का भार भारत से सिर्फ 3 बीपीएस अधिक है।

इंडेक्स के बारे में:

- MSCI ACWI IMI इंडेक्स में लार्ज- और मिड-कैप स्पेस के स्टॉक शामिल हैं।
- यह अधिक व्यापक रूप से अनुसरण किए जाने वाले MSCI ACWI इंडेक्स का स्पिनऑफ है, जिसमें केवल लार्ज और मिड-कैप प्रतिनिधित्व है।

SWIFT MOVE

The top 10 weights in the MSCI AC World IMI Index (in %)

USA	63.23
Japan	5.73
UK	3.51
Canada	2.83
France	2.38
India	**2.35**
China	2.24
Switzerland	2.14
Taiwan	2.00
Germany	1.9

Data as on Sep 16; Sources: MSCI, Morgan Stanley Research

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन

चर्चा में क्यों?

भारत सरकार ने अपने गगनयान मिशन के दायरे को बढ़ाते हुए देश के अंतरिक्ष स्टेशन के पहले मॉड्यूल के निर्माण को मंजूरी दे दी है, जिसे भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन (BAS-1) कहा जाएगा।

- संशोधित गगनयान कार्यक्रम में अब दिसंबर 2028 तक पूरे किए जाने वाले आठ मिशन शामिल हैं, जिसमें BAS-1 इकाई का प्रक्षेपण भी शामिल है।
- इस विस्तार में चल रहे मानव अंतरिक्ष उड़ान पहलों का समर्थन करने के लिए अतिरिक्त मानव रहित मिशन और हार्डवेयर की आवश्यकताएँ शामिल हैं।
- यह 2035 तक भारत का अपना अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और 2040 तक मानवयुक्त चंद्र मिशन का मार्ग प्रशस्त करता है।

चंद्रयान-4 और शुक्र मिशन

चर्चा में क्यों?

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पृथ्वी के सबसे नजदीकी ग्रह का पता लगाने और उसका अध्ययन करने के सरकार के दृष्टिकोण के तहत नए चंद्र मिशन चंद्रयान-4 और शुक्र ऑर्बिटर मिशन (VOM) के विकास को मंजूरी दे दी हैं।

चंद्रयान-4 क्या है?

- यह एक चंद्र मिशन है जिसका उद्देश्य चांद पर सफलतापूर्वक उतरने के बाद, पृथ्वी पर वापस आने में प्रयोग होने वाली प्रौद्योगिकी का प्रदर्शन करना है, साथ ही चंद्रमा से नमूने लाकर, पृथ्वी पर उनका विश्लेषण करना है।
- यह पृथ्वी पर विश्लेषण के लिए चंद्रमा के नमूने भी एकत्र करेगा।
- चंद्रयान-4 के विकास और प्रक्षेपण का काम इसरो संभालेगा, जिसके 36 महीनों के भीतर पूरा होने की उम्मीद है।
- इसकी लागत **₹2,104.06 करोड़** होगी। इस लागत में अंतरिक्ष यान का निर्माण, एलवीएम 3 के दो लॉन्च वाहन मिशन, बाह्य गहन अंतरिक्ष नेटवर्क का समर्थन और डिजाइन सत्यापन के लिए विशेष परीक्षण आयोजित करना शामिल हैं।
- **महत्व:** यह भारत को मानवयुक्त मिशन और चंद्रमा के नमूने विश्लेषण के लिए प्रौद्योगिकियों में आत्मनिर्भर बनने में मदद करेगा।

शुक्र ऑर्बिटर मिशन

- यह शुक्र के वायुमंडल और भूविज्ञान को बेहतर ढंग से समझने के लिए वैज्ञानिक अन्वेषण पर ध्यान केंद्रित करेगा, इसके घने वायुमंडल की जांच करके व्यापक वैज्ञानिक डेटा उत्पन्न करेगा।
- इस मिशन का उद्देश्य शुक्र ग्रह की सतह, उपसतह, वायुमंडलीय प्रक्रियाओं और उसके वायुमंडल पर सूर्य के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए एक वैज्ञानिक अंतरिक्ष यान के साथ शुक्र की परिक्रमा करना है।
- शुक्र ऑर्बिटर मिशन का कुल बजट ₹1,236 करोड़ है, जिसमें से ₹824 करोड़ अंतरिक्ष यान पर खर्च किए जाएंगे।
- **महत्व:** शुक्र ग्रह का अध्ययन करना इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि माना जाता है कि यह कभी पृथ्वी की तरह रहने योग्य था। मिशन मार्च 2028 में लॉन्च होने वाला है।

अगली पीढ़ी का प्रक्षेपण यान

चर्चा में क्यों?

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अगली पीढ़ी के प्रक्षेपण यान के विकास को मंजूरी दे दी है।

- अगली पीढ़ी का प्रक्षेपण यान (NGLV) LVM3 की मौजूदा पेलोड क्षमता से तीन गुना अधिक और लागत 1.5 गुना अधिक प्रदान करेगा।
  - इसे 30 टन तक का भार निम्न पृथ्वी कक्षा (LEO) तक ले जाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- NGLV परियोजना के लिए कुल स्वीकृत बजट 8240 करोड़ रुपये है। इसमें तीन विकासात्मक उड़ानें होंगी और विकास चरण को पूरा करने के लिए 8 वर्ष का लक्ष्य रखा गया है।
- **महत्व:**
  - PSLV, GSLV, LVM3 और SSLV सहित भारत के मौजूदा प्रक्षेपण यान, 10 टन तक के उपग्रहों को LEO और 4 टन तक के उपग्रहों को जियो-सिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट (GTO) तक प्रक्षेपित कर सकते हैं। NGLV इस क्षमता का निर्माण करेगा।

चर्चित योजनाएँ/अभियान

प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान

चर्चा में क्यों?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने **79,156 करोड़ रुपये** के कुल परिव्यय के साथ प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान को मंजूरी दे दी है।

- **उद्देश्य:** प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान का उद्देश्य भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से सामाजिक बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य, शिक्षा, आजीविका में महत्वपूर्ण अंतराल को भरना और पीएम जनमन (प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महा अभियान) की सीख और सफलता के आधार पर जनजातीय क्षेत्रों एवं समुदायों का समग्र और सतत विकास सुनिश्चित करना है।
- केंद्र सरकार इस कार्यक्रम के लिए 56,333 करोड़ रुपये का योगदान देगी, जबकि राज्य सरकारें 22,823 करोड़ रुपये प्रदान करेंगी।

अभियान के बारे में:

- 2011 की जनगणना के अनुसार, भारत में अनुसूचित जनजाति (ST) की आबादी 10.45 करोड़ है, जिसमें देश भर में **705 से अधिक आदिवासी समुदाय फैले हुए हैं।**
- इसे प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान **(पीएम-जनमन)** की सीख और सफलता के आधार पर तैयार किया गया है, जिसे प्रधानमंत्री ने **15 नवंबर 2023** को जनजातीय गौरव दिवस पर लॉन्च किया था, जिसका बजट 24,104 करोड़ रुपये है, जो पीवीटीजी आबादी पर केंद्रित है।
- इसमें 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के सभी आदिवासी बहुल गांवों में फैले 549 जिले और 2,740 ब्लॉक शामिल होंगे।
  - बजट भाषण 2024-25 में की गई घोषणा के अनुसार, यह लगभग 63,000 गांवों को कवर करेगा, जिससे 5 करोड़ से अधिक आदिवासी लोगों को लाभ होगा।
  - अभियान के तहत शामिल आदिवासी गांवों को पीएम गति शक्ति पोर्टल पर मैप किया जाएगा।

- इस मिशन में 25 कार्यक्रम शामिल हैं, जिन्हें 17 मंत्रालयों द्वारा लागू किया जाएगा और अगले पांच वर्षों में समयबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा।
- इसने आदिवासी और वनवासी समुदायों के बीच आजीविका को बढ़ावा देने और आय उत्पन्न करने के लिए अभिनव योजनाएं शुरू की हैं।
  - इसमे जनजातीय गृह प्रवास, वन अधिकार धारकों के लिए स्थायी आजीविका, सरकारी आवासीय विद्यालयों और छात्रावासों में बुनियादी ढांचे में सुधार, सिकल सेल रोग के निदान के लिए उन्नत सुविधाएं और आदिवासी बहुउद्देशीय विपणन केंद्र शामिल हैं।

विविध

AVGC-XR के लिए NCoE

चर्चा में क्यों?

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मुंबई में एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग, कॉमिक्स और एक्सटेंडेड रियलिटी (एवीजीसी-एक्सआर) के लिए राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र (एनसीओई) की स्थापना को मंजूरी दे दी है।

- इंडियन इंस्टीट्यूट फॉर इमर्सिव क्रिएटर्स (IIIC) नाम से जाना जाने वाला यह केंद्र AVGC क्षेत्र को बदलने और इमर्सिव प्रौद्योगिकियों में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए तैयार है।
- इसे प्रतिष्ठित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (IIT) और भारतीय प्रबंधन संस्थानों (IIM) के आधार पर तैयार किया गया है।

AVGC-XR के लिए NCoE के बारे में:

- यह कंपनी अधिनियम, 2013 के अंतर्गत धारा 8 कंपनी के रूप में कार्य करेगी।

उद्देश्य:

- मीडिया और मनोरंजन क्षेत्र में विदेशी निवेश को आकर्षित करते हुए भारत की सॉफ्ट पावर को बढ़ाना।
- यह अत्याधुनिक प्रशिक्षण प्रदान करेगा और भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को आधुनिक तकनीक के साथ एकीकृत करेगा, स्वदेशी बौद्धिक संपदा (आईपी) के निर्माण को बढ़ावा देगा और भारत की डिजिटल रचनात्मक अर्थव्यवस्था के भविष्य का निर्माण करेगा।
- यह इमर्सिव प्रौद्योगिकियों में अनुसंधान, विकास और नवाचार के लिए एक गतिशील पारिस्थितिकी तंत्र बनाएगा।

खेल

आईसीसी: पुरस्कार राशि समानता

चर्चा में क्यों?

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने घोषणा की है कि **विश्व कप में पुरुषों और महिलाओं को समान पुरस्कार राशि मिलेगी,** जिसकी शुरुआत **2024 में महिला टी20 विश्व कप से होगी**, जो **संयुक्त अरब अमीरात** में होने वाला है।

- यह निर्णय जुलाई 2023 में ICC वार्षिक सम्मेलन के दौरान लिया गया था, जिससे पुरस्कार राशि समानता की समयसीमा सात वर्ष आगे बढ़ गई है, जिससे मूल लक्ष्य 2030 से 2023 हो गया है।
- इस कदम के साथ, क्रिकेट पुरुषों और महिलाओं दोनों के विश्व कप आयोजनों के लिए समान पुरस्कार राशि प्रदान करने वाला **पहला प्रमुख टीम खेल** बन गया।
- **महत्व:** यह महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए ICC की चल रही प्रतिबद्धता का हिस्सा है, जिसका लक्ष्य 2032 तक इसके विकास को बढ़ावा देना है।

ICC खबरों में:

- जय शाह को निर्विरोध अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) का अध्यक्ष चुना गया और वह 1 दिसंबर, 2024 को यह पद संभालेंगे।
- अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने 9वें महिला टी20 विश्व कप को बांग्लादेश से यूएई में स्थानांतरित कर दिया।

News in Short

- **ईरान के नए राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन** ने सुन्नी मुस्लिम अल्पसंख्यक समुदाय के एक सदस्य को कुर्दिस्तान प्रांत का गवर्नर नामित किया है।
- 1979 की इस्लामी क्रांति के शुरुआती दिनों के बाद से अराश ज़ेरेहटन मुख्य रूप से शिया देश में क्षेत्रीय गवर्नर बनने वाले पहले सुन्नी हैं।
- जॉर्डन के राजा अब्दुल्ला ने जाफ़र हसन को देश का नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया है।

❍❍❍❍